हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, गुरुवार, 10 जुलाई, 2025

11 तेरापंथ के प्रवर्तक एवं प्रणेता आचार्य भिक्षु बहुत...

12 हड़ताल का रहा मिला जुला असर, कर्मचारी...

खबर संक्षेप

सूबेदार रणसिंह श्योराण के निधन पर शोक जताया

बाढड़ा। काकड़ौली हट्ठी निवासी युवा नेता नवीन श्योराण के पिता सुबेदार रणसिंह श्योराण के निधन पर अनेक सामाजिक, राजनैतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पहुंच कर संवेदना प्रकट की। सुबेदार रणसिंह श्योराण काकड़ौली हट्ठी के निधन पर विधायक उमेद पातुवास, पूर्व विधायक व कांग्रेसी नेता सोमवीर श्योराण, हरियाणा स्टोन क्रेशर एसोसिएशन प्रदेशाध्यक्ष सोमबीर घसौला, छात्रनेता विजय मोटू, जिला परिषद वाईस चेयरमैन सोनू साहुवास, रामबीर, जयबीर ठेकेदार आदि अनेक सामाजिक, राजनैतिक संगठनों के

पात्र दयालु योजना का लाभ उठाए : उपायुक्त

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने जिला के पात्र परिवारों से दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि दयालु हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु या स्थाई विकलांगता की स्थिति में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत अंत्योदय परिवारों को उनके परिजनों की मृत्यु अथवा स्थाई विकलांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है।

'मेरा ई केवाईसी' मोबाइल एप्लीकेशन जारी

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि भारत सरकार, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राशन कार्डों में शत प्रतिशत ई केवाईसी के लिए 'मेरा ई केवाईसी' नामक मोबाइल एप्लीकेशन जारी किया है। उपायुक्त शर्मा ने सभी राशनकार्ड धारकों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी सभी राशनकार्ड धारक अपना व अन्य सदस्यों की ई केवाईसी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से जल्द कर लें।

बाबा बाड़ीनाथ की जयंती पर गोशाला में हवन

बहल। आषाढ़ सुदी चतुर्दशी पर बाबा बाड़ीनाथ की जयंती के उपलक्ष्य में बाबा बाड़ीनाथ गोशाला में हवन का आयोजन किया गया। उपस्थिजनों ने हवन में आहुति डाली व जनकल्याण के लिए कामना की। हवन में रिटायर्ड आईपीएस महेन्द्र सिंह ने यजमान की भूमिका में रहे। लोगों ने हवन में आहुति दी व भाईचारे की मजबूती के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर सरपंच प्रतिनिधि रामकिशन, लालचंद, विकास, राजेश आर्य, ओम नंबरदार, मा. राजकुमार, अमरचंद शर्मा, वेदपाल, राजबीर फौजी, कर्मबीर, सोमबीर, नरेश कुमार, सोमबीर आदि मौजूद रहे।

पीने के पानी व सीवर समस्या को लेकर सौंपा चेयरपर्सन व पार्षदों ने मांगपत्र

मंत्री जी! पीने लायक नहीं सप्लाई का पानी और बारिश में डूबेगा शहर

- मंत्री ने अधिकारियों को लगाई फटकार, बोले: अधिकारी मिनी सरकार से तालमेल बनाकर करे कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शहर में दूषित पेयजल व सीवर समस्या को लेकर मंत्री को मांगपत्र सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

पहली बार नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व अधिकांश पार्षदों ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर सिंह गंगवा के समक्ष शहर में हो रही दूषित पेयजल व सीवर जाम रहने की समस्या उठाई। चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व पार्षदों का तर्क था कि शहर में जो पीने के पानी की सप्लाई दी जा रही है। वह पीने के लायक ही नहीं है। सप्लाई के पानी के साथ सीवरेज का पानी मिक्स होकर पहुंच रहा है। वह पानी न तो पीने के लायक है और न ही किसी अन्य प्रयोग में लाया जा सकता। मजबूरन नालियों में बहाना पड़ रहा है। कई बार मजबूरीश लोगों को यही सप्लाई का पानी पीना पड़ता है। जिससे पेट में अनेक बीमारी पनपने का अंदेशा बन रहा है। उन्होंने बताया कि इस बारे में पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत की जाती है तो वे एक बार खानापूर्ति कर देते है,लेकिन समस्या का समाधान नहीं करते। मंत्री जी, अधिकांश शहर में इसी तरह के पानी की सप्लाई पहुंच रही है। इस मौके पर वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि संदीप, सुभाष तंवर, सूर्या तंवर, संदीप यादव,बिल्लू बादशाह, अजय, अशोक कामरा,शिव कुमार गोठवाल,सुकर्मपाल,महाबीर,मनोज खनगवाल, पवन सैनी के अलावा अन्य कई पार्षद मौजूद थे।

अधिकांश डिस्पोजलों के आधे से ज्यादा पम्पसेट खराब

चेयरपर्सन व पार्षदों ने बताया कि अगर जरा सी तेज बारिश आ गई तो पूरे शहर का डूबना लाजिमी है। चूंकि शहर के बाहरी इलाकों में स्थित अधिकांश डिस्पोजलों की आधे से ज्यादा पम्पसेट खराब पड़े है। बारिश के बाद या पहले ये मोटर नहीं चल पाती। पम्पसेट पर जरनेटर की कोई व्यवस्था नहीं है, अगर जरनेटर है तो उसके लिए डीजल की व्यवस्था नहीं है। बारिश आने के तत्काल बाद बिजली का कट लगना तय होता है। बिजली जाते ही पम्प बंद हो जाते है। जिस वजह से शहर में बारिश के पानी की निकासी होना बंद हो जाती है। जिस वक्त बिजली की सप्लाई आती है, तो उसी वक्त ही मोटर चलती है। अगर बिजली के कट लगते ही जरनेटरों से मोटरों को चलाया जाए तो शहर में ज्यादा देर तक बारिश का पानी नहीं टिक पाएगा। पर ऐसा नहीं है। अधिकारी जानबूझकर इस तरह की व्यवस्था बनाए हुए है।

एक दर्जन जगहों पर सीवर जाम और गलियों में अटक रहे कदम

वैसे तो पूरे शहर में सीवर जाम की स्थिति बनी हुई है,लेकिन सबसे बुरी स्थिति शहर की करीब एक दर्जन कॉलोनियों की बनी है। यहां पर आए दिन सीवर जाम की समस्या बनी रहती है। खासकर लोहड़ चौपटा, हालवास गेट, हनुमान ढाणी, अमर नगर, बैंक कॉलोनी, डॉबर कॉलोनी, शिवनगर कॉलोनी, जागृति कॉलोनी के अलावा अनेक ऐसी कॉलोनियां है। जहां पर सीवर का पानी गलियों व सड़कों पर फैला रहता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। बारिश के पानी के साथ साथ सीवर का पानी भी गलियों व सड़कों पर फैलने के बाद घरों तक पहुंचने लगता है। जब इस बारे में पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत करते है तो फोन ही कम उठाए जाते है। अगर कोई अधिकारी फोन उठा ले तो जल्द समस्या का समाधान करवाए जाने का भरोसा दिलाकर खानापूर्ति कर लेते है। गलियों व सड़कों पर सीवर का पानी जमा होने से क्षेत्र में बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है।

क्या दिया मंत्री ने आश्वासन

नप चेयरपर्सन भवानी प्रताप सिंह व नप पार्षदों के मांगपत्र के बाद मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि शहर की मिनी सरकार से तालमेल बनाना बेहद जरूरी है। उनके फोन को सुनी, उन द्वारा बताई गई समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करें। इस मामले में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि अभी आपातकालीन सभी समस्याओं का समाधान करें। दक्ष प्रजापति जयंती के बाद फिर से पार्षदों व अधिकारियों के साथ वे बैठक करेंगे। शहर के लोगों के समक्ष किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं रहनी चाहिए।

बारिश में बच्चे साइकिल से मजा लेते हुए

ढिगावा मंडी। बारिश के बाद सड़कों पर जमा पानी से गुजरते वाहन चालक।

दोपहर तक धूप-छांव और उमस, 4:30 बजे तेज वर्षा

- कपास के किसानों की धड़कनें बढ़ी, मूंग, ग्वार और पशु चारा फसलों कीं बल्ले बल्ले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढिगावामंडी

पिछले चार दिन से इंद्र देवता ढिगावा मंडी क्षेत्र में बड़े मेहमान हैं, हर रोज शाम और रात को जोरदार वर्षा होती है लेकिन सुबह से लेकर दोपहर तक उमस से क्षेत्रवासी पसीना पसीना हो जाते हैं। बुधवार को भी दोपहर बाद करीब 4:30 बजे जोरदार वर्षा हुई और उसके बाद समाचार लिखे जाने तक रुक-रुक कर वर्षा जारी रही।

वर्षा के बाद सड़कों पर जगह-जगह जलभराव हो गया। इससे राहगीर और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इससे उमस की गर्मी से राहत तो मिली। दूसरी तरफ किसानों में मिली जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली जहां बाजरा, मूंग और ग्वार की फसल वाले किसानों के चेहरों पर रौनक देखी गई तो वहीं कपास खेती वाले किसानों के चेहरो पर परेशानी साफ देखे जा रही थी। पिछले चार दिन से हो रही वर्षा से खेतों में पानी भरा है अगर एक-दो दिन में पानी की निकासी नहीं हुई तो कपास की फसल में नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती हैं।

संदीप सिंघानी, विकास श्योराण, युवा किसान संदीप श्योराण, राजू, मोहित लाठर आदि किसानों ने बताया कि इस वर्ष से फसलों में नुकसान कम तो लाभ ज्यादा है रेत और टिब्बो की जमीन होने के कारण ज्यादातर खेतों में पानी जल्दी सूख जाता है लेकिन ताली की जमीन में पानी खड़ा होने के कारण हल्का नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। इस समय खेतों में बहुत बढ़िया फसल खड़ी है।

छात्राएं बोली- अवांछित तत्व फिल्मी गानों सहित, अपशब्दों का प्रयोग करते हुए कसते हैं ताने

शहीद स्कूल की छात्राए हुई अवांछित तत्वों की हरकतों से परेशान

प्राचार्य बोले- करेंगें पुलिस को शिकायत, थाना प्रभारी बोले-राइडर की करेंगे नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के वीर शहीद गुलाब सिंह पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं भयभीत नजर आने लगी है। गहराई तक जाने का प्रयास किया और छात्राओं ने बदनामी के डर से नाम न छापने की सूरत में बताया तो मालूम हुआ कि विद्यालय खुलने के समय कुछ अवांछित तत्व रास्ते में ही उनका मोटरसाइकिल व पैदल पीछा करने लगते हैं कुछ फिल्मी गाने गाते हैं तो कुछ अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। इनके हौंसले इतने बढ़ गए हैं कि जब तक वे विद्यालय के अंदर प्रवेश नहीं कर जाती तब तक उनका पीछा किया जाता है। इस दौरान न जाने किस किस तरह के टौंट कसे जाते है। छुट्टी खतम होने से पहले ही उक्त तत्व स्कूल के गेट के मुख्य द्वार तक पर पहुंच जाते है। हालांकि इस दौरान वे छात्राओं के ग्रुप में स्कूल से निकलती है,लेकिन उसके बाद भी उनका पीछा करते करते उनके घर तक पहुंच जाते है। जिससे वे स्कूल आने के साथ साथ घर से बाहर निकलते समय भी कतराने लगी हैं।

समाधान नहीं हुआ तो कटवाना पड़ेगा स्कूल से नाम

छात्राओं ने बताया कि अवाछित तत्वों की हरकत से परेशान हो चुकी हैं। रोजाना उनका पीछा करने से टेंशन में हो जाती है। स्कूल की छुट्टी होते ही उनको फिर अवाछिंत तत्वों का पीछा करने का भय सताने लगता है। जब तक वे अपने घर नहीं पहुंच जाती। तब तक उनको इसी तरह की चिंता बनी रहती है। छात्राओं ने बताया कि अवांछित तत्वों के दबाव में बेहद परेशान है। अगर इन अवांछित तत्वों पर लगाम नहीं कसी गई तो वे विद्यालय से अपना नाम कटवाकर घर बैठने को मजबूर होंगी। जिससे उनके भविष्य भी अंधकारमय हो सकता है।

थाने में लिखित सूचना दी जाएगी:शर्मा

विद्यालय प्राचार्य आनंद शर्मा ने बताया कि कुछ छात्राओं ने इसकी जानकारी दी है ऐसा न हो इसके लिए इस बारे में थाना कार्यालय में लिखित में सूचित करेंगें ताकि इन आवारा युवकों पर लगाम लगाई जा सके। साथ ही वे कस्बे के मौजिज लोगों से भी मुलाकात कर इस मामले की जानकारी देंगे। ताकि बेटियों को आगे की पढाई करने तथा आगे बढने में किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

ऐसे युवकों पर नजर रखी जाएगी: थाना प्रभारी

थाना प्रभारी ने बताया कि विद्यालय लगने से पहले व छुट्टी के समय राइडर की तैनाती की जाएगी और गुप्त तरीके से भी ऐसे युवकों पर नजर रखी जाएगी ताकि हमारी बेटियां बेझिझक विद्यालय आ जा सके। इस दौरान स्कूल के आसपास सादी वर्दी में भी पुरुष व महिला पुलिस तैनात की जाएगी। ताकि अवांछित तत्वों की जानकारी जुटा कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने सत्संग वचन में फरमाया

सत्संग तो हर पल सत्य का संग

भिवानी। सत्संग गुरु का उपदेश या वाणी का पाठ भर नहीं है बल्कि सत्संग तो हर पल सत्य का संग है और सत्य को पल भर के लिए भी क्यों छोड़ना। सत्य परमात्मा है और असत काल है। ज्यों ही सत्य का संग छटेगा त्यों त्यों ही काल की घात पड़ेगी। जो सतगुरु के संग रहते हैं उनका काल कुछ नहीं बिगाड़ पाता। संत सतगुरु के समक्ष हमेशा दंडवत रहो क्योंकि यह दीनता आपके सभी विकार हर लेती है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद धाम स्थित राधास्वामी आश्रम में सेवादारों को दर्शन देते हुए फरमाए। हुजूर महाराज गुरु पूर्णिमा पर होने वाले वार्षिक भंडारे व सत्संग की तैयारी में जुटे सेवादारों को दर्शन सत्संग और निर्देश दे रहे थे। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि परमात्मा और सेवक का और गुरु व शिष्य का नाता रूहानी होता है। यह नाता प्रेम का नाता है। प्रेम भी वो जो दिखावटी नहीं होता।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन करते संत कंवर साहेब।

गुरु पूर्णिमा से बड़ा कोई पर्व नहीं

हुजूर महाराज ने सेवादारों को फरमाया कि गुरु प्रेमियों,गुरु भक्ति करने वाले के लिए गुरु पूर्णिमा से बड़ा कोई पर्व नहीं है क्योंकि गुरु भक्त गुरु को ही परमात्मा मानते हैं । परमात्मा वाला गुण सतगुरु में भी है,परमात्मा का नूरी रूप देखने के लिए सतगुरु को स्थूल रूप से प्रेम करना होगा। उन्होंने फरमाया कि सत्संग संतों की चेतावनी है। इस चेतावनी से कुछ संवर जाते है तो कुछ बिखर जाते हैं। बाधाएं हर एक के जीवन में आती हैं। जो सतगुरु के पल्ले लगे रहते हैं वो संवर जाते हैं और जो जीवन की बाधाओं से घबरा कर गुरु से विश्वास उठा लेते हैं वो बिखर जाते हैं। गुरु के सामने जो शिष्य दिन हीन बना रहता है वो गुरु की रहमत पा जाता है लेकिन जो गुरु ज्ञान से बढ़कर स्वयं के ज्ञान को बड़ा मानता है उससे बड़ा कृतघ्न नहीं है। गुरु महाराज ने फरमाया कि यह गलती मुझसे भी हुई थी जब मैं प्रारम्भ में मेरे गुरु संत ताराचंद जी की शरण में आया था। लुधियाना स्टेशन पर जब मुझे अध्यात्म की पुस्तक पढ़ते देख उन्होंने कहा कि मास्टर क्या पढ़ता है ये अभी तेरी समझ में नहीं आएगी। मुझे अहंकार हुआ कि मै एम ए बीएड मास्टर और मेरा अनपढ़ गुरु मुझसे कह रहा है कि ये मुझे समझ में नहीं आएगी। बाद में उनकी शरण में रहकर जाना कि वो उस दिन सही कह रहे थे।

औलिया का प्रसंग सुनाया

गुरु महाराज ने निजामुद्दीन औलिया का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि गुरु शिष्य की परीक्षा लेता है। निजामुद्दीन भी सारे शिष्यों के सामने एक वैश्या के घर में घुस गए और अंदर जाकर बोले कि बेटी मै रात को यही रुकूंगा परंतु यह देख कर आधे शिष्य तो तभी उनको त्याग गए। बाकी रात तक इंतजार करते करते चले गए। अमीर खुसरो वहीं रुका रहा। गुरु ने सुबह पूछाअमीर आप क्यों नहीं गए तो खुसरो ने कहा कि गुरु मेरे पास आपके सिवाय कहां ठिकाना है। गुरु भक्ति को धारण करने वाला स्वयं तो क्या अपने कुल कुटुंब का भी उद्धार कर जाता है। गुरु भक्ति के मार्ग पर शुद्ध सच्चा चरित्रवान व्यक्ति ही चल सकता है। गृहस्थ धर्म में रहते हुए अपने लालच स्वार्थ को तजकर हक हलाल की कमाई खाओ। बड़े बुजुर्गों की सेवा करो, बच्चो को अच्छी शिक्षाएं दो। उन्हें गुणवान बनाओ। अपनी अपूर्णता को पूर्णता में बदलो। अगर आपकी औलाद गुणवान है तो आप असल जायदाद के मालिक है। अगर पुत सपूत है तो क्यों कमाना और पूत अगर कपूत है तो भी क्यों कमाना।

मानसून में स्किन प्रॉब्लम्स

बचाव के लिए बरतें सावधानी

मानसून में नमी की अधिकता की वजह से स्किन इंफेक्शंस की संभावना बहुत बढ़ जाती है। ये कौन सी समस्याएं हैं, इनके कारण, लक्षण क्या हैं और इससे बचाव के लिए आपको किन उपायों पर अमल करना होगा, बता रहे हैं आपको।

सीजनल डिजीज

चेतना झा

तपती गर्मी के बाद बारिश की फुहारें राहत तो देती हैं, लेकिन बारिश का मौसम हमारी त्वचा और बालों के लिए कई समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है। इस मौसम की नमी स्किन इंफेक्शन और दूसरी तमाम समस्याओं की वजह बनती है। इनसे बचाव के लिए प्रयास करने जरूरी हैं।

अधिक पसीना: वातावरण में नमी की अधिकता के कारण मानसून के मौसम में पसीने की समस्या होती है और यह स्किन इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता है। इससे त्वचा में खुजली की समस्या होती है और फिर इससे कई समस्याएं परेशान करती हैं।

मुंहासे: मुंहासे और त्वचा पर चकत्ते होना, अन्य समस्याएं हैं, जिनका सामना ज्यादातर लोग मानसून के मौसम में करते हैं। खासतौर पर उन लोगों को जिनकी त्वचा पहले ही अधिक ऑयली होती है, नमी बढ़ने से त्वचा अधिक सीबम का उत्पादन करने लगती है। इससे ऑयल अधिक बनने लगता है और यह बैक्टीरिया का बसेरा सा बन जाता है। चिपचिपी त्वचा पर धूल, गंदगी और पसीना लंबे समय तक चिपके रहते हैं, जिसकी वजह से स्किन पोर्स बंद हो जाते हैं। ऐसे में एक्ने और पिंपल्स निकलने लगते हैं।

एग्जिमा: एग्जिमा आसानी से ठीक नहीं होने वाला त्वचा रोग है। यह त्वचा संबंधी उन समस्याओं में से एक है, जो केवल मानसून के मौसम में होती है। एग्जिमा विभिन्न जटिलताओं जैसे चकत्ते, खुजली, लालिमा और त्वचा में इसी तरह की समस्याओं का कारण बनता है। यह समस्या उन लोगों में आम है, जिनकी त्वचा संवेदनशील होती है।

टिनिआ: यह भी मानसून में हमारी त्वचा को परेशान करने वाला एक फंगल संक्रमण है। इससे अत्यधिक खुजली होती है और असहज महसूस होता है। यह आपके सिर की त्वचा को भी संक्रमित कर सकता है। उसमें भी खुजली होती है।

स्केबीज: स्केबीज एक अन्य त्वचा रोग है, जो मुख्य रूप से घुन के प्रवेश के कारण होता है। इसको कुछ इस तरह समझिए कि इसमें परजीवी जीवाणु अंडे देते हैं और आपकी त्वचा में घोंसला भी बनाते हैं, जिससे संक्रमण बढ़ता है। इससे त्वचा में खुजली होती है और लालिमा भी नजर आती है। इससे रोगी को काफी तकलीफ महसूस होती है।

फोलिक्युलाइटिस या लोम: यह बाल कूप, बाल रोम या हेयर फॉलिकल का एक और जीवाणु संक्रमण है, जो मानसून के दौरान होता है। बता दें कि बालों के रोम दरअसल, हमारी त्वचा की रक्षा के लिए होते हैं। इससे हमारी त्वचा ढंकी रहती है। बैक्टीरिया और पसीने के बीच का स्पर्श त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बनता है और फॉलिक्युलाइटिस का कारण भी बनता है। फॉलिक्युलाइटिस की वजह से पीड़ित की त्वचा पर बालों के रोम में सूजन हो जाती है। त्वचा की यह समस्या आमतौर पर जांघों, बगलों, नितंबों और गर्दन के आस-पास देखी जाती है। हल्के मामलों के लिए, स्थिति कुछ दिनों में ठीक हो सकती है, लेकिन गंभीर स्थितियों के लिए आपको चिकित्सकीय ट्रीटमेंट लेने की आवश्यकता हो सकती है।

दाद: दाद या रिंग वॉर्म त्वचा पर एक छल्ले के आकार में दिखाई देता है। जब आप इसे खुजलाते हैं, तो कई बार आपकी त्वचा पर मिनटों में दाने निकल आते हैं और उनसे पानी भी निकल सकता है। इसे एक संक्रामक फंगल संक्रमण भी माना जाता है, जो रोगी के दूसरों अंगों तक और दूसरे व्यक्ति को भी फैल सकता है।

ऐसे करें बचाव: इन बरसाती रोगों से बचाव के लिए इस मौसम में त्वचा को भीतर-बाहर से हाइड्रेट करने की उतनी ही जरुरत है, जितनी किसी और मौसम में होती है। इसलिए भरपूर पानी पिएं। साथ ही नॉन स्टिकी लाइटवेट मॉयश्चराइजर लगाएं। दो-तीन लीटर पानी प्रतिदिन सेवन करने से कोलेजन बनता है, जिससे ये रोग होने की आशंका कम हो जाती है। त्वचा की नियमित सफाई करें। इससे बैक्टीरिया और सीबम दोनों में कमी आती है। इस मौसम में फेस स्टीम यानी चेहरे पर भाप लेना भी लाभदायक है। इससे रोमछिद्र खुलते हैं और मृत त्वचा हटती है। भाप लेने से त्वचा पर रक्त प्रवाह बढ़ता है, जो त्वचा में ग्लो लाता है। समस्या होने पर बजाय इंटरनेट पर समाधान ढूंढ़ने के नजदीकी डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें, वे आपकी त्वचा के प्रकार और शारीरिक अवस्था के अनुरूप समस्या का समाधान बताएंगे।

मानसून में खास ध्यान रखें कि चेहरे को टच करने से पहले हाथ धुला हो। चेहरे पर कोई क्रीम, मॉयश्चराइजर आदि लगाने से पहले भी हाथ धुले हों। इससे बैक्टीरिया के फैलाव से बचाव होता है। ऑयली फूड्स जैसे फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, समोसे आदि खाने से बचें। इससे एक्ने-मुंहासे की समस्या बढ़ सकती है। *

(डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. सरोज राय से बातचीत पर आधारित)

मेंटल हेल्थ

शिखर चंद जैन

इन दिनों देश ही नहीं पूरी दुनिया में बेशुमार लोग मेंटल प्रॉब्लम्स से ग्रस्त हो रहे हैं। इसकी अनेक वजहें हो सकती हैं। लेकिन अगर आप अपनी डेली रूटीन लाइफ में कुछ एक्टिविटीज को शामिल कर लें तो बहुत हद तक इन मेंटल प्रॉब्लम्स से बच सकते हैं। ऐसी ही चार एक्टिविटीज और उनसे होने वाले फायदों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

अच्छे स्वास्थ्य के चार मीत

रंग-कविता-कला-संगीत

आने वाले समय में कला का प्रयोग मानसिक सेहत को संवारने में व्यापक तौर पर किया जाएगा। अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के आर्ट्स इन मेडिसिन सेंटर में रिसर्च डायरेक्टर जिल सोनके कहते हैं, 'हमें बचपन की क्रिएटिव राइटिंग, ड्राइंग, सिंगिंग और डांसिंग से आगे चलकर भी जुड़े रहना चाहिए। आप बड़े होकर इनसे दूर हो रहे हैं तो यह गलत है। आपको म्यूजियम (कला के लिए), आर्ट गैलरीज, एग्जिबिशंस, कंसर्ट (म्यूजिक के लिए) आदि भी समय-समय पर जरूर अटेंड करने चाहिए।'

इस स्टडी के आधार पर मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स मानसिक सेहत को खुशमिजाजी और सुकून की खुराक देने के लिए कुछ एक्टिविटीज को अपनी डेली लाइफ में शामिल करने की सलाह देते हैं।

म्यूजिक सुनें

कई ऐसे अनुसंधान हो चुके हैं, जिनमें पता चला है कि गाना गाने, गाना सुनने और वाद्य यंत्र बजाने से कई तरह के फायदे हैं। गाने से स्ट्रेस हार्मोन कार्टीसोल का लेवल कम होता है। नवजात शिशुओं की मां गुनगुनाती है तो उनमें एंजायटी कम होती है। न्यूरोलॉजिस्ट सूजन मैग्सेमैन कहती हैं कि म्यूजिक से स्ट्रेस कम होने की वजह यह है कि रिद्म, लिरिक्स और कॉर्ड्स रिपीट करते समय हमारे दिमाग के कई हिस्से एक साथ एक्टिव हो जाते हैं।

यूरोप के एक विश्वविद्यालय में हुए शोध से पता चला है कि म्यूजिक थेरेपी डिमेंशिया या याददाश्त की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसके अलावा यह दर्द कम करने और अवसाद से मुक्ति दिलाने में भी सहायक है। यह कई अनुसंधानों के नतीजे में बताया जा चुका है। यही वजह है कि संगीत का उपयोग उपचार के लिए भी कई जगह किया जा रहा है। वैज्ञानिकों की माने तो म्यूजिक थेरेपी कैंसर के इलाज से लेकर पोस्ट स्ट्रोक ब्रेन के इंप्रूवमेंट में भी काफी मददगार साबित हो रही है। यूरोप के संगीत एंगिला रस्किन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि म्यूजिक थेरेपी से मस्तिष्क के कई क्षेत्रों में सकारात्मक असर पड़ता है। संगीत, मस्तिष्क और उसके कनेक्शन को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकता है।

थ्री ड्रॉइंग टेक्निक की प्रैक्टिस

अमेरिका में स्थित सेंटर ऑफ माइंड बॉडी मेडिसिन के संस्थापक-मनोचिकित्सक डॉक्टर जेम्स गार्डन ने थ्री ड्रॉइंग तकनीक बनाई है। इसके लिए आपको ड्रॉइंग एक्सपर्ट होने की जरूरत नहीं है। बस कोशिश करनी है। सबसे पहले आप खुद की कोई ड्रॉइंग बनाएं। फिर अगली ड्रॉइंग में खुद को अपनी सबसे बड़ी समस्या के साथ दिखाना होगा। और तीसरी ड्रॉइंग में आपको समस्या हल होने के बाद खुद को दर्शाना होगा। यह एक्सरसाइज सेल्फ डिस्कवरी को प्रोत्साहन देने के लिए है। इससे आपको अपनी समस्या का पता चलता है और संभावित हल पर विचार करने का अवसर मिलता है। साथ ही स्वयं में अंतर महसूस होता है। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मेडिसिन में न्यूरोलॉजी की असिस्टेंट प्रोफेसर सूजैन मैग्सेमैन कहती हैं कि आप इस तकनीक से खुद ही अपने हीलर बन सकते हैं। इसके लिए आपको किसी थैरेपिस्ट की जरूरत भी नहीं है।

कलरिंग कीजिए

एंजायटी से उबरने के लिए अपने बचपन की कलरिंग एक्टिविटीज को फिर से सक्रिय कीजिए। किसी किताब, अखबार या पत्रिका में बने रेखाचित्रों में या खुद के बनाए रेखाचित्रों में रंग भरें। वैज्ञानिकों ने शोध में पाया है कि रोजाना 20 मिनट ज्योमैट्रिकल डिजाइन में रंग भरना एंजायटी को कम करने के लिए बहुत प्रभावी तकनीक है। क्लीवलैंड क्लिनिक में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और पुस्तक '50 वेज टू सूद योरसेल्फ विदाउट फूड' की लेखिका सूजेन अल्बर्ट्स कहती हैं, कलरिंग करना मिनी मेंटल वेकेशन जैसा है। जब हम किसी कागज पर बनी आकृतियों और रेखाचित्रों में अपने पसंदीदा रंग भरते हैं तो हमें आत्मसंतुष्टि मिलती है और साथ ही तमाम समस्याओं और चिंताओं से हमारा ध्यान बंटता है और मन को शांति मिलती है। यह एक प्रकार का मेडिटेशन ही है। इससे स्ट्रेस लेवल कम होता है और हमारी मेंटल हेल्थ इंप्रूव होती है।

कविता लिखें

साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर फ्रैंक क्लार्क अकसर कविताएं लिखते हैं। वह कोई कवि नहीं है लेकिन अपने दिल की भावनाओं को कागज पर कलम से उकेरना उन्हें सुकून देता है। वह इस प्रयोग के माध्यम से डिप्रेशन से उबर चुके हैं। वह कहते हैं, 'आप हाईकू से शुरू कर सकते हैं। इसमें अपने दोस्तों को भी शामिल कीजिए। नए-नए प्रयोग कीजिए, प्रतियोगिताएं कीजिए। यह आपके मनोरंजन का एक बेहतरीन तरीका बन सकता है।'

जर्नल आफ मेडिसिन ह्यूमैनिटीज में प्रकाशित एक शोध की रिपोर्ट बताती है कि कविताओं में हीलिंग पावर होती है। दोस्तों के साथ इन्हें शेयर करने के बहुआयामी लाभ हो सकते हैं। *

मेरी उम्र 34 वर्ष है। बरसात के मौसम में अकसर अपच और एसिडिटी होने लगती है। कृपया कुछ ऐसा बताएं, जिससे मुझे यह प्रॉब्लम न हो।

-आदित्य, हिसार

बरसात के मौसम में सबसे ज्यादा समस्या वाटर बॉर्न डिजीजेज की होती है। कई बार सप्लाई में या अन्य जगह दूषित पानी आता है और लोग इसे पीते हैं, जिससे इस तरह की प्रॉब्लम शुरू हो जाती हैं। आपकी समस्या सुनकर ऐसा ही लग रहा है कि आपका डाइजेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। इससे बचने के लिए आप बाहर का पानी न पिएं। अपना पानी घर से लेकर निकलें। इसके साथ ही बाहर के कटे हुए फल और अन्य खुले में बिकने वाले फूड्स या फ्रूट्स का सेवन बिल्कुल ही बंद कर दें। इन बातों पर अमल करने से आपको समस्या से राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। एक साल पहले मैंने अपने घुटने का ऑपरेशन करवाया था। पिछले एक-डेढ़ महीने से मुझे फिर से चलने-फिरने के दौरान घुटनों में दर्द हो रहा है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-प्रमोद, भोपाल

सामान्यतः इसके दो कारण हो सकते हैं। कई बार मौसम बदलते समय ऐसी दिक्कत शुरू

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

बरसात में जब करे अपच-एसिडिटी परेशान

होती है तो कभी-कभार चोट लगने से भी ऐसी तकलीफ होने लगती है। लेकिन बेहतर होगा कि आप उन्हीं डॉक्टर से संपर्क करें, जिन्होंने सर्जरी की है। वह जांच कर इसकी वजह बताएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे। बगैर जांच करे कोई भी ट्रीटमेंट न लें।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। पिछले पंद्रह दिनों से मेरे सिर में हल्का दर्द बना रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज हो जाता है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-अखिल, धमतरी

इस तरह के दर्द की वजह कोई चोट हो सकती है या आंखों का कमजोर होना भी वजह बन जाती है। लेकिन अगर आपको चोट नहीं लगी और आंखें ठीक हैं तो आपको जरूर एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए। बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मुझे बहुत वीकनेस लगती है इसलिए मैं कुछ वीक्स से मल्टीविटामिन कैपस्यूल लेता हूं। कृपया बताएं कि यह कितना सेफ है? इसके कोई साइड इफेक्ट्स तो नहीं होंगे?

-सुदेश, बिलासपुर

मल्टीविटामिन कैप्सूल खाना तो ठीक है लेकिन आपको वीकनेस आने का कारण पता लगाना चाहिए कि इसकी वजह क्या है? क्या शरीर में खून की कमी है? बेहतर होगा कि डॉक्टर से संपर्क कर अच्छी तरह जांच कराएं। अगर सब कुछ ठीक है तो विटामिन कैप्सूल के साथ आप नेचुरल प्रोटीन और विटामिन वाले फूड्स अधिक लें।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे बाल बहुत झड़ते हैं। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे छुटकारा पाया जाए?

-दीपक, कोंडागांव

बारिश के मौसम में त्वचा और बालों की समस्या के लिए गंदे पानी का इस्तेमाल एक बड़ा कारण हो सकता है। दूषित पानी से जहां त्वचा रोग होता है, वहीं बाल झड़ने की समस्या भी शुरू होती है। इसलिए आप कोशिश करें कि साफ पानी से ही नहाएं। साबुन और शैंपू का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें। इससे आपको समस्या से राहत मिलेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन हैं ज़िम्मेदार

नई दिल्ली। पहले कैंसर को आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है। इस हफ़्ते के 'एबीसी 4 कॉर्नर्स' से पता चलता है कि प्लास्टिक समेत कई रसायनों की कैंसर के बढ़ते मामलों में भूमिका हो सकती है। तो कैंसर बढ़ने के कारण क्या हैं? और हम इस संबंध में क्या कर सकते हैं?

कैंसर बुजुर्गों को क्यों अपनी चपेट में ले रहा है?

आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है - जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। साथ ही, उम्र बढ़ने पर शरीर इन खराब कोशिकाओं को पहचान कर हटाने में भी कमजोर हो जाता है।

युवाओं में कैंसर की बढ़ती दर चिंता का विषय

युवाओं में कैंसर की बढ़ती दर चिंता का विषय है और इसके बढ़ने में कुछ पर्यावरणीय कारक भूमिका निभा रहे हैं जिनके बारे में हमें अभी जानकारी नहीं है। पर्यावरणीय कारक वे होते हैं जो शरीर के बाहर होते हैं – जैसे रसायन, वायरस, बैक्टीरिया, शारीरिक गतिविधि और हमारा आहार। इनमें से कई पर्यावरणीय कारक डीएनए प्रतिलिपिकरण त्रुटियों की संभावना को बढ़ा सकते हैं, या यहां तक कि हमारे डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसका एक जाना-माना उदाहरण सूर्य से आने वाली पराबैंगनी (यूवी) किरणें है, जिससे त्वचा कैंसर हो सकता है।

धूम्रपान से हो रहा फेफड़ों का कैंसर

दूसरा उदाहरण धूम्रपान है, जिससे फेफड़ों का कैंसर हो सकता है। सौभाग्य से, सूर्य के संपर्क में आने के खतरों के बारे में जागरुकता अभियानों और सिगरेट पीने वालों की घटती संख्या के कारण पिछले 30 वर्षों में 50 वर्ष से कम आयु के ऑस्ट्रेलियाई लोगों में त्वचा और फेफड़ों के कैंसर के मामलों में कमी आई है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में युवाओं में अन्य प्रकार के कैंसर जैसे यकृत, अग्न्याशय, प्रोस्टेट, स्तन और गुर्दे आदि के कैंसर बढ़ रहे हैं। यह प्रवृत्ति वैश्विक है, खासकर अमीर पश्चिमी देशों में। रसायनों की क्या भूमिका है?

आज हम अधिक रसायनों के संपर्क में

शोधकर्ता इस वृद्धि के कारणों को समझने के लिए काम कर रहे हैं। वर्तमान में, रसायन एक विशेष रूप से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कारक के रूप में चर्चा में हैं। आधुनिक समय में हम अपने पूर्वजों की तुलना में अधिक रसायनों के संपर्क में हैं - जैसे वायु प्रदूषण, खाद्य योजक, प्लास्टिक और कई अन्य चीजें। शराब और सिगरेट के धुएं को छोड़ दें तो ज़्यादातर रसायन जो कैंसर से निश्चित रूप से जुड़े हैं वे ऐसे नहीं हैं जिनका लोगों को नियमित रूप से सामना करना पड़ता है। वे सिर्फ़ उद्योग जैसे स्थानों तक ही सीमित हैं। चिंता का एक मुख्य रसायन प्लास्टिक है, जो सर्वव्यापी है और लगभग हर कोई हर दिन इनसे सामना करता है। विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि प्लास्टिक मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए समग्र रूप से बहुत बड़ा खतरा है।

बारिश के मौसम में आपको संक्रमणों से बचाएगी कच्ची हल्दी

हर्बल जोन/ रेखा देशराज

कच्ची हल्दी या फ्रेश टर्मरिक रूट एक अत्यंत प्रभावी और पारंपरिक प्राकृतिक औषधि है, विशेषकर बरसात के मौसम में जब संक्रमण, अपच और त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में कच्ची हल्दी का औषधि के रूप में इस्तेमाल बहुत प्रभावी है।

मौसमी बीमारियों से बचाए: कच्ची हल्दी में मौजूद करक्यूमिन शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल तत्व होता है। यह करक्यूमिन मौसम बदलने के समय होने वाली जुकाम, खांसी, गले की खराश और बुखार आदि से रक्षा करता है। बरसात के मौसम में लोगों का अकसर पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। इन दिनों कच्ची हल्दी का इस्तेमाल पाचन संबंधी सक्रियता बढ़ाती है। कच्ची हल्दी के इस्तेमाल से गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

इम्यूनिटी को मजबूत करे: कच्ची हल्दी एक नेचुरल इम्यूनिटी बूस्टर है। मानसून में जब रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, तब यह कच्ची हल्दी इसे पुनः सक्रिय करने में मददगार साबित होती है। यह त्वचा के संक्रमण और फंगल रोगों से भी बचाव करती है। कच्ची हल्दी गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत देती है।

ऐसे करें इस्तेमाल: मानसून के दिनों में कच्ची हल्दी को दूध में आसानी से लिया जा सकता है। इसके लिए एक से दो इंच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी को एक कप गर्म दूध में डालें और रात में पीएं। इसे शहद में भी लिया जा सकता है। एक चम्मच कद्दूकस की हुई कच्ची हल्दी में एक चम्मच शुद्ध शहद मिलाकर सुबह खाली पेट लें। एक अन्य तरीका है कि कच्ची हल्दी वाली चाय या काढ़ा पिया जाए। अगर फंगल संक्रमण है तो इसका पेस्ट बनाकर उस जगह पर लगाएं, तुरंत राहत मिलेगी।

बरतें सावधानियां: एक बार में कभी भी तीन या चार इंच से ज्यादा कच्ची हल्दी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे गैस या जलन हो सकती है। जिन लोगों को पित्त की समस्या हो, उन लोगों को कच्ची हल्दी का इस्तेमाल करते हुए संयम बरतना चाहिए। यदि आप ब्लड थिनर या शुगर की दवाएं ले रहे हैं, तो इसका सेवन डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें *

खबर संक्षेप

रेखा राघव बनीं भाजपा की जिला महामंत्री

भिवानी । भाजपा जिला संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली से विचार-विमर्श करके जिला की कार्यकारिणी घोषित की है। जिसमें रेखा राघव को जिला महामंत्री की

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। अपनी नियुक्ति के बाद रेखा राघव ने भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में अलंकरण समारोह

भिवानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास का शैक्षणिक सत्र 2025-2026 का अलंकरण समारोह आज दिनांक 9 जुलाई 2025 को बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य मोहिंदर सिंह ने की। इस मौके पर विद्यालय के 62 सदस्यीय छात्र परिषद को पद व गरिमा की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्राचार्य ने सैशे व

जैन मुनि आश्रम में सवा लाख जप अनुष्ठान कार्यक्रम

तेरापंथ के प्रवर्तक एवं प्रणेता आचार्य भिक्षु बहुत ही सहनशील एवं संयमित व्यक्तित्व के धनी थे

जैन मुनि बोले- आचार्य भिक्षु ने एक दांत के साथ हंसते हंसते दुनिया में जन्म लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। हालुवास गेट फाटक पार जैन मुनि आश्रम में प्रवचन देते जैन मुनि मनक कुमार। फोटो : हरिभूमि

तेरापंथ के प्रवर्तक एवं प्रणेता आचार्य भिक्षु बहुत ही सहनशील, संयमित व्यक्तित्व के धनी थे। आचार्य भिक्षु जन्म से ही चमत्कारी रुप में थे, वे अन्य बच्चों की तरह जन्म के समय रोये नहीं, बल्कि हंसते हंसते पैदा हुए और जन्म के समय उनका एक दांत भी था। आचार्य भिक्षु जन्म से ही विलक्षणी प्रतिभा के धनी थे। उक्त बातें जैन मुनि मनक कुमार ने कही। वे हालुवास गेट फाटक पार स्थित जैन मुनि आश्रम में तेरापंथ के तेरापंथ प्रणेता महान तपस्वी, क्रांतिकारी, युगद्रष्टा, प्रवर्तक आचार्य भिक्षु के 300 वें जन्मदिवस पर ढाई लाख से ज्यादा मंत्र जप अनुष्ठान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

हालुवास गेट फाटक पार जैन मुनि आश्रम में आचार्य भिक्षु के 300 वें जन्मदिवस पर मंत्र जप अनुष्ठान कार्यक्रम में ढाई लाख से ज्यादा मंत्र पाठ किया गया। इस मौके पर अनेक श्रद्धालुओं ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. उषा जैन ने किया। जैन मुनि मनक कुमार ने कहा कि तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्य भिक्षु का जन्म वर्ष 1726 में राजस्थान के कंटालिया मारवाड़ में हुआ। आचार्य भिक्षु के पिता का नाम बल्लूजी तथा माता का नाम दीपांजी था। आचार्य भिक्षु जन्म से ही विलक्षणी प्रतिभा के धनी थे। आचार्य भिक्षु जैन धर्म के तेरापंथ संप्रदाय के संस्थापक एवं प्रथम आचार्य थे। आचार्य भिक्षु ने तेरापंथ की स्थापना 29 जून 1760 को की थी। आचार्य भिक्षु जैन धर्म के श्वेताम्बर तेरापंथ संप्रदाय के संस्थापक एवं पहले आध्यात्मिक प्रमुख थे, वे भगवान महावीर के भक्त थे। आचार्य भिक्षु ने 13 संत, 13 अनुयायी और 13 मूल नियम से तेरापंथ की स्थापना की। तेरापंथ श्वेतांबर जैन धर्म की एक उप-शाखा है, जो स्थानकवासी शाखा से निकली है। आचार्य भिक्षु विरोध में भी सहनशीलता से काम लेते थे और उन्होंने तपस्या करके दिव्य शक्तियां हासिल की थी। उनकी बुद्धि बहुत ही तीव्र थी, वे किसी भी सवाल का जवाब तर्क के साथ देते थे। उनका प्रवचन बहुत ही प्रभावशाली होता था, जो साधक के जीवन के अंधकार से उजाले की ओर प्रेसित करता था।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एडवोकेट राकेश कटारिया, श्यामलाल गर्ग, राजकुमार, आनंद जैन, नवीन नाहटा, ओमप्रकाश जैन, नीलम जैन, नरेश लहरिया, पीयूष अग्रवाल, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सनमति जैन, मानकचंद नाहटा, अनिल नाहटा, आनंद बासिया, मदनलाल जैन, केशव जैन, प्रवीन जिंदल, सज्जन महिला मंडल की अध्यक्षा सीमा जैन, मंत्री संस्कृति जैन, प्रेम जैन, मंजू मीना, मैना रेखा, अर्चना, उमा, नीलम, बेबी जैन, ललिता, शोभा, ईशा, मधु, मोहित, गौरव व निशांत आदि मौजूद रहे।

भिवानी। श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की जयंती पर पौधरोपण करते पर्यावरण रक्षक।

श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की जयंती पर 51 पौधे रोपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- संतों, महापुरुषों की जयंती को समाजसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर मनाना सराहनीय

श्रीदक्ष प्रजापति महाराज की जयंती पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने गांव धनाना, महम रोड, ढाणा रोड और काली माता मंदिर रोड पर 51 पौधे रोपित किए। यह सेवा कार्य संतों, महापुरुषों की शिक्षाओं को धरातल पर उतारते हुए समाज और प्रकृति के प्रति कर्तव्य निभाने की मिसाल बना। संस्था संस्थापक सुरेश सैनी, पर्यावरण रक्षक एवं योगाचार्य बिजेश जावला, पर्यावरण रक्षक हवलदार लोकराम नेहरा व गणित प्रवक्ता संजय कुमार ने पौधरोपण कर समाज को हरियाली और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल धार्मिक रस्मों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर बने। पौधरोपण केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने हमेशा प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की शिक्षा दी है। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना उनके बताए मार्ग पर चलने जैसा है, ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी प्रेरित होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना देश और समाज दोनों की रक्षा है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की शिक्षाएं केवल किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि व्यवहार में उतरें। पर्यावरण संरक्षण एक ऐसा विषय है जिसे हम शिक्षा, संस्कार और समाज सेवा से जोड़ सकते है।

पालेराम पालेराम ट्रस्ट ने रोपी त्रिवेणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। त्रिवेणी रोपते पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक सुरेंद्र संभ्रवाल व अन्य।

पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट ने गांव ढाणी हरसुख स्थित प्राचीन शिव मंदिर में त्रिवेणी रोपित कर पवित्र सावन माह का स्वागत किया। इस अवसर पर गांव के गणमान्य व्यक्तियों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

त्रिवेणी रोपित करने उपरांत पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने कहा कि सावन मास भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दौरान पौधरोपण को अत्यंत पुण्य का कार्य माना जाता है। ट्रस्ट ने इसी भावना के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिव मंदिर परिसर में पीपल, बरगद व नीम के तीन पौधों (त्रिवेणी) का रोपण किया। इस अवसर पर विरेंद्र सिंह मिंटू, श्रीनिवास, पूर्व सरपंच हंसराज, पंच होशियार सिंह, महाबीर प्रजापति, शिवकुमार शिब्बू, रामोतार, अजीत गुज्जर, रोशन पनिहार, सतीश फौजी, सतबीर, कंवर सिंह, विजेंद्र, कंवरपाल सहित अन्य ग्रामीण भी मौजूद रहे।

श्री दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में उमड़ेगा जनसमूहः रणबीर गंगवा

भिवानी। प्रदेश के लोक निर्माण तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा बुधवार को भिवानी पहुंचे। उन्होंने 13 जुलाई को आयोजित होने वाले महाराजा श्री दक्ष प्रजापति प्रदेश स्तरीय जयंती समारोह लेकर लोक निर्माण विश्राम गृह में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से तैयारियों की समीक्षा की। वहीं दूसरी ओर उन्होंने भीम स्टेडियम में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त साहिल गुप्ता, सीईओ जिला परिषद अजय , एसडीएम महेश व भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक मौजूद रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गंगवा ने उपायुक्त से जयंती समारोह की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने पंडाल, मुख्य मंच के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को लेकर भी मंच बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह में पहुंचने के दौरान लोगों को किसी प्रकार से परेशानी न हो, इसके लिए भीम स्टेडियम में दो तरफ रास्ते दिए जाएं।

बहल में आगंनबाड़ी वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

बहल। कर्मचारी संगठनों द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान कस्बे में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में कामकाज ठप रहा। कर्मचारियों ने जगह जगह पर धरना प्रदर्शन किया। बुधवार को हरियाणा आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर यूनियन से जुड़ी कर्मचारियों ने कामकाज छोडक़र खंड विकास कार्यालय के समक्ष धरना दिया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रधान सिलोचना लांबा, उर्मिला, कमलेश, प्रमिला, सुनीता, कृष्णा, नरेश, संतोष, गुणिया, विद्यादेवी, निर्मला, अंगूरी, मंजू, रोशनी, बसंती सहित अनेक वर्कर मौजूद रही। वहीं, बिजली कर्मियों ने बिजली बोर्ड प्रांगण में एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन की अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के खंड प्रधान मा. संजय कुमार व हरियाणा पावर कॉरपोरेशन सब यूनिट प्रधान राजेश कुमार ने की। इस अवसर पर मुकेश कुमार, संदीप, सतीश, राजेश, मंदीप, ईश्वर सिंह, बिट्टू, सुनील कुमार, सचिन कुमार, प्रदीप, पंकज, अनूप, कुलदीप सिंह, प्रमोद आदि मौजूद रहे। संचालन सोमवीर सिद्धू ने किया।

पटवारियों ने अधिकारी को सौंपा मांगपत्र

भिवानी। वित्तायुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा को मार्फ़त उपायुक्त के नाम आज राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान विभागीय समस्याओं के समाधान के बारे में दी पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के राज्य उप प्रधान विकास राठी व तहसील प्रधान विक्रांत शर्मा ने ज्ञापन सौंपा। दी राजस्व पटवार एवं कानूनगों एसोसिएशन, हरियाणा के राज्य उप प्रधान विकास राठी ने ज्ञापन सोपते हुए बताया कि राजस्व पटवारी व कानूनगो से संबंधित विभिन्न समस्याए काफी लम्बे समय से ज्यों कि त्यों बनी हुई है। केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों, सरकारी कर्मचारी परिसंघो व राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आहवान पर राष्ट्रीय हड़ताल में भाग लिया। विकास राठी ने बताया कि पुरानी पेंशन नीति बहाल की जाये व एनपीएस को खत्म किया जाये । गिरदावरी सहायकों के लम्बित भतों का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। पिछले 35 वर्षों से चले आ रहे वेतन भत्तो को वर्तमान महंगाई अनुसार बढाया जावे। अन्य विभागो की तर्ज पर राजस्व विभाग को भी मेवात काडर का लाभ दिया जाए।

भिवानी। अतिथियों के साथ अणुव्रत चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

अणुव्रत चित्रकला प्रतियोगिता में रितिक-शांतनु प्रथम

भिवानी। टीआईटी स्कूल में अणुव्रत विश्व भारती द्वारा आयोजित देशव्यापी एनसीसी प्रतियोगिताओं के क्रम में अणुव्रत समिति ने जूनियर एवं सीनियर वर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में दिए विषय पर 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया और बहुत ही उत्कृष्ट पेंटिंग बनाई। प्रतियोगिता के परिणाम घोषित करते हुए रमेश बंसल ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में रितिका ने प्रथम स्थान पर प्राप्त किया। वहीं पारुल दूसरे तथा नेहा तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में शांतनु पहले, सोनम दूसरे तथा अनीशा तीसरे स्थान पर रही। बंसल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अणुव्रत विश्व भारती द्वारा देशभर में बच्चों में संयम व नैतिकता के संस्कार बनाने के लिए हर वर्ष अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। भिवानी के अनेक स्कूल जिला और राज्य ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बच्चों को जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन कड़ी मेहनत तथा संयम की साधना करने की शिक्षा दी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीपी कौशिक ने अणुव्रत समिति का आभार जताया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के सदस्य पवन मित्तल, दिनेश कुमार, सीमा शर्मा, कविता कुमारी, पूनम व कला अध्यापिका समृद्धि शर्मा आदि उपस्थित रही।

वृक्ष लगाना ही नहीं उनका सरंक्षण करना भी बेहद जरूरीः शिवरत्न

- कार्यक्रम की शुरुआत वैश्य स्कूल के बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों से की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। स्कूल में पौधारोपित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में बुधवार को वन महोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत वैश्य स्कूल के बच्चों की शानदार प्रस्तुतियो से की गई , जिसमे पर्यावरण संरक्षण से संबंधित गीत और भाषण प्रस्तुत किए गए । इन प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया।विद्यालय के बच्चों ने रंग-बिरंगे स्लोगनों और पोस्टरों के माध्यम से वन महोत्सव की भावना को जीवंत कर दिया। स्लोगन जैसे – "पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ" और "हरियाली है जीवन की डोरी, इसे बचाओ अबकी बारी" ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष शिव रतन गुप्ता ने वृक्षों के महत्व और पर्यावरण संतुलन में वृक्षों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं। वे न केवल हमें प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। आज के समय में वनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। वन महोत्सव हमें यह याद दिलाता है कि हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने समस्त शिक्षक गण व विद्यार्थियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे अधिक से अधिक वृक्ष लगाएंगे वह उनकी देखभाल करेंगे तथा दूसरों को भी वृक्षारोपण में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। इसके पश्चात विद्यालय महासचिव डॉ पवन कुमार बुवानी वाला ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य केवल वृक्ष लगाना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारा कर्तव्य निभाना भी है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया गया। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य डॉक्टर करतार सिंह जाखड़ ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि वन महोत्सव केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक प्रेरणा है कि हम अपने जीवन में अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और पर्यावरण की रक्षा करे।

भिवानी। प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद को सेवानिवृति पर सम्मानित करते एसडीएम मनोज दलाल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बच्चों का रोल मॉडल होता शिक्षकः दलाल

भिवानी । अध्यापक विद्यार्थियों के लिए आइना एवं रोल मॉडल होता है, ये बात गांव गिगनाऊ स्थित स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम राजकीय वमा विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद बोदलिया की सेवानिवृति समारोह में बतौर मुख्यतिथि बोलते हुए एसडीएम मनोज दलाल ने कही। उन्होंने कहा कि राजेंद्र प्रसाद की शिक्षा विभाग में अध्यापक के रूप मे दी गई अनुकरणीय एवं आदर्श सेवा को सदैव याद रखा जायेगा। उन्हें राज्य शिक्षक अवार्ड से नवाजा जाना उनकी सेवा को प्रामाणिक बनाता है। प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद लगभग 35 वर्ष की बहुमूल्य सेवा उपरांत रिटायर हुए। सेवानिवृति समारोह को यादगार बनाने के लिए एसडीएम ने विद्यालय प्रांगण के एक पौधरोपण किया। समारोह में विद्यालय के राजनीति विज्ञान प्रवक्ता श्याम सुंदर सांगवान ने उनके जीवन परिचय और विज्ञान अध्यापक से प्राचार्य तक के सफर पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजेंद्र प्रसाद ने विद्यालय के छात्र छात्राओं के शीतल जल के लिए वाटर कूलर भेंट किया, जिसका उदघाटन एसडीएम लोहारू मनोज दलाल से करवाया। विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य नरेंद्र गहलावत ने नेक कार्य के लिए समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों की तरफ से आभार प्रकट किया। समारोह में सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी ज्ञानेंद्र नेहरा, प्राचार्य राजबीर सांगवान, सेवानिवृत प्राचार्य विजय शर्मा, हसला जिला प्रधान महेंद्र मान, डॉ. राजीव वत्स, प्रद्युमन गढ़वाल, प्रदीप बाधडा, सरपंच प्रतिनिधि होशियार सिंह नंबरदार, कैप्टन आरपी श्योराण, शकुंतला मान, श्याम सुंदर सांगवान, एसएमसी प्रधान हवासिंह शर्मा, मौलिक मुख्यध्यापक अनिल सांगवान आदि उपस्थित रहे।

हनुमान जी थे ब्रह्मचार्य व भक्ति की अनूठी मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- कार्यक्रम का शुभारंभ हवन-यज्ञ के साथ व प्रभात फेरी निकाली

गांव ढाणी हरसुख के हनुमान मंदिर में मंदिर कमेटी व समस्त ग्रामीणों द्वारा हनुमान की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन-यज्ञ के साथ व प्रभात फेरी निकाल कर किया गया। मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में धामण खाप 12 के प्रधान ऋषिपाल परमार, उपप्रधान वेदप्रकाश ग्रेवाल, उपप्रधान कैप्टन गुगन सिंह, सचिव रामकुमार थानेदार, आजाद सिंह प्रधान रिवाड़ी, मा. जगतपाल सरसा घोघरा, राष्ट्रीय वीर एकल्यव कल्याण वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कपूर लडवाल बामला, रणधीर सिंह निदानिया, सुखचैन हलवासिया, सतबीर सिंह, जतनपाल, रोहताश कलिंगा को कार्यक्रम आयोजकों द्वारा हनुमान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थितजनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच हंसराज ढाणी हरसुख, कर्मबीर शर्मा, डा. हरदीप सिसर, सरपंच रमेश सिसर, सेठ ओमप्रकाश, मोहन लाल गोयल, रामबीर ठेकेदार को भी सम्मानित किया गया। प्रधान ऋषिपाल परमार ने कहा कि हनुमान जी ने ब्रह्मचार्य व भक्ति की अनूठी मिसाल पेश की थी। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ब्रह्मचार्य का पालन करना चाहिए। वे संकट हरता भी हैं इसलिए उन्हें संकट मोचन के नाम से भी जाना जाता है।

सीएम विंडो और समाधान शिविर में मिली शिकायतों का शीघ्र समाधानः शर्मा

उपायुक्त मुनीश शर्मा ने सभी विभागाध्यक्षों को दिए कड़े निर्देश

समीक्षा बैठक में नदारद होने पर विभाग प्रमुख पर होगी सख्त कार्रवाईः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शिकायत के समाधान की समीक्षा करते उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

सीएम विंडो व समाधान शिविर की लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा के लिए कैंप कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त मुनीश शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी विभागाध्यक्ष उनके कार्यालयों से संबंधित समाधान शिविरों, सीएम विंडो, जन-संवाद तथा एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। उपायुक्त शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में दर्ज शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करें तथा उनकी वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी समयबद्ध रूप से सांझा करें। बैठक के दौरान समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद और एसएमजीटी पोर्टल की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी सप्ताह तक लंबे समय से लंबित शिकायतों का संतोषजनक समाधान नहीं किया गया, तो जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनहित नायब सरकार की प्राथमिकता है, ऐसे में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सही तरीके से दर्ज और निस्तारित शिकायत न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देगी, बल्कि बार-बार एक ही शिकायत के खुलने की समस्या भी कम होगी। बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बिना पूर्व सूचना के गैरहाजिर रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में यह रहे मौजूद

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा इस दायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक में एसडीएम डॉ. वीरेंद्र अहलावत, नगराधीश जितेंद्र कुमार सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मचारी संगठनों व ट्रेड यूनियनों किया था राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान

हड़ताल का रहा मिलाजुला असर, कर्मचारी संगठन धरने पर बैठे और ज्ञापन भी सौंपा

■ " सयुक्त किसान मोर्चा ने भारी संख्या में शामिल हो हड़ताल का किया सर्मथन"

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। हड़ताल के दौरान खाली पड़ा बस अड्डा व शहर में जुलूस निकालते विभिन्न संगठनों के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

लंबित मांगों को लेकर बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का मिला जुला असर रहा। कर्मचारी संगठनों ने अधिकारियों को मांगपत्र सौंपा, वहीं धरने पर बैठ कर विरोध जताया। वहीं ट्रेड यूनियनों ने शहर में प्रदर्शन किया। रोडवेज में हड़ताल का हल्का असर देखा गया। निजी बसों की वजह से यात्रियों को कोई खास परेशानी नहीं हुई। अन्य विभागों में भी हड़ताल का असर देखा गया। जो कर्मचारी धरने पर बैठ गए। जिससे कार्य प्रभावित होना लाजिमी था।

सभी विभागों से कच्चें -पक्के कर्मचारी, परियोजना कर्मी (आंगनबाडी, आशा व मिड डे मील वर्कर्स) भवन निर्माण मजदूर-कारिगर, मनरेगा मजदूर, वन मजदूर, ग्रामीण सफाई कर्मी, ग्रामीण चौकीदार, नगर पालिका, पब्लिक हैल्थ, बिजली, शिक्षा बोर्ड, बैंक-बीमा, रोडवेज, नगर पालिका, बीएण्डआर, स्वास्थय विभाग व अन्य विभागों से हजारों मजदूर हड़ताल करके नेहरू पार्क भिवानी में इक्टठा हुए व सभा का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की सयुक्त अध्यक्षता सीटू नेता सदीक डाडम, सर्व कर्मचारी संघ नेता सुरजभान जटासरा, इंटक नेता कृष्ण बडसी, एटक नेता ईश्वर शर्मा, एआईयूटीयूसी नेता राजकुमार ने की व मंच संचालन सीटू जिला सचिव कामरेड अनिल कुमार ने किया। लेबर कोड रद्द करने, पुरानी पैंशन बहाल करने, कच्चे कर्मचारियों व परियोजना कर्मीयों को पक्का करने, 26000 रूपयें न्यूनतम वेतन लागू करने, मंहगाई, बेरोजगारी पर रोक लगाने, नीजिकरण पर रोक लगाने, मनरेगा में 200 दिन काम व 800 रूपयें दिहाड़ी, निर्माण मजदूरों की सुविधाओं को लागू करने व भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग को लेकर केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों व कर्मचारी संगठनों के आह्वान पर हुई देशव्यापी हड़ताल सफल रही।

रतन जिन्दल, सुमेर आर्य, रामौतार खोरड़ा, फुलसिंह इन्दौरा, धर्मबीर सिंह, कामरेड ओमप्रकाश, रोहताश सैनी, राज सिंह जताई, रवि आजाद, राकेश आर्य, सत्यशील कौशिक, मा. वजीर सिंह ने संबोधित किया। इस मौके पर सुबेदार वीरेन्द्र ग्रेवाल, आजाद सिंह पूर्व सैनिक यूनियन, पटवार कानूनगों संगठन से विकास राठी, मा. शेर सिंह किसान सभा, मोनू चौधरी, भगत सिंह मोर्चा संगठन शामिल रहे।

भिवानी। हड़ताल के दौरान बस अड्डा परिसर में धरने पर बैठे रोडवेज कर्मचारी।

सड़कों पर उतरे कर्मचारी व मजदूर

चरखी दादरी। दादरी में कर्मचारियों व मजदूरों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लिया। बुधवार सुबह कर्मचारी व मजदूर रोज गार्डन में एकत्रित हुए। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार कि किसान, मजदूर, कर्मचारी व आमजन विरोधी नीतियां लागू कर रही है। सरकार सभी विभागों का निजीकरण करना चाहती है तथा बड़े पूंजीपतियों के हाथों बेचना चाहती है, जिन भी प्रदेशों में भाजपा की सरकार है उन प्रदेशों में कोई भी सरकारी विभाग में स्थायी भर्ती नहीं हो रही। पूंजीपति हितैषी प्रणाली ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को भी प्राइवेट कर दिया है। चार वर्ष की अग्निवीर नाम से सैनिकों की कच्ची भर्ती की जा रही है। कर्मचारियों ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि सभी विभागों में स्थायी भर्ती कि जाए व पुरानी पेंशन नीति बहाल की जाए। हटाए गए कच्चे कर्मचारीयों को वापस लिया जाए और पालिसी बनाकर उनको पक्का किया जाए। सरकार द्वारा लागू किए गए श्रम कानूनों नए चार लेबर कोड को रद किया, सभी परियोजना कर्मियों को 26 हजार रुपये न्यूनतम वेतन दिया जाए।

मांगों के समर्थन में कर्मचारियों ने दिया धरना, नारेबाजी की

■ राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल हुए कर्मचारी संगठन।

लोहारु। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, केंद्र सरकार कर्मचारी परिसंघ, ए आई एम जी ई एफ एवं राज्य कर्मचारी संघो के आह्वान पर बुधवारबको आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल का मिलजुला असर रहा। विभिन्न संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर बस स्टैंड के सामने घटना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई संगठनों ने संग्राम विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

शिक्षा विभाग, बिजली निगम, रोडवेज, नगर पालिका सफाई कर्मचारी, जन स्वास्थ्य विभाग, आशा वर्कर, मिड डे मील, आंगनबाड़ी, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, बैंकिंग संगठन के अनेक कर्मचारी हड़ताल पर रहे। कर्मचारियों की हड़ताल में अखिल भारतीय किसान सभा के किसानों का समर्थन मिला। प्रधान डॉ सुरेश भारद्वाज, प्रधान सुरेंद्र श्योराण की संयुक्त अध्यक्षता में धरना दिया। डॉ सुरेश भारद्वाज ने हड़ताल को सफल बताया। सुरेन्द्र श्योराण ने सरकार पर कर्मचारियों में आपस मे फुट डालने का आरोप लगाया। रेखा कुलहरी, कृष्ण मुरारी आशु, विजय जांगड़ा, जसवंत अनिल धीन्धवाल, जैनपाल, नरेंद्र विकास शर्मा, मूर्ति देवी, शशि, संजय बरालु, संजय सैनी, विनोद बॉक्सर, रजनीश सांगवान, राजेश डांगी, कंचन, राजवंती बोदलिया, मनोज कुमारी मौजूद रहे।

ट्रेड यूनियनों व कर्मचारियों की हड़ताल का मिलाजुला असर

■ हड़ताल को लेकर कर्मचारियों ने निकाला रोष मार्च।

बाढड़ा। पुरानी पेंशन लागू करने,कच्चे कर्मचारियों व परियोजना क र्मियों को प1का करने, लेबर कोड़ रद्द करने आदि मांगों को लेकर ट्रेड युनियनों के आहवान पर बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए कर्मचारी नेता तथा सीटू के नेताओं ने कस्बे की अनाज मंड़ी में कर्मचारी नेता प्रवींद्र भांडवा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की। जिसके बाद कस्बे के मुख्य चौक तक नारेबाजी करते हुए रोष मार्च निकाला और सीकार के खिलाफ रोष जताया।

युनियन के सदस्यों ने कस्बे की अनाज मंड़ी में बैठक को संबोधित करते हुए ट्रेड युनियन व कर्मचारी नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार अपने चहते पुंजीपतियों कों फायदा पहुंचाने के लिए मजदूरों के चार लेबर कोड कर रही है। काम का समय आठ घंटे की बजाए 12 घंटे कर रही है और पक्के रोजगार को खत्म किया जा रहा। इस हड़ताल में निर्माण मजदूर, ग्रामीण सफाई कर्मचारी, आशा वकर्स, मिड डे मिल वकर्स, बिजली कर्मचारी, किसान युनियन आदि युनियनों के सदस्यों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

खबर संक्षेप

सेकेंडरी सामाजिक की परीक्षा शांतिपूर्ण हुई

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आज संचालित करवाई गई सैकेण्डरी (शैक्षिक) सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में प्रदेशभर में 27 परीक्षा केन्द्रों पर 1,281 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए तथा अनुचित साधन प्रयोग के 02 मामले दर्ज हुए। बोर्ड अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार ने बताया कि परीक्षा के दौरान उड़नदसते की टीमों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

सुनील शर्मा को सौंपी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

बहल। भाजपा की बुधवार को जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बहल मंडल के पूर्व प्रधान व सिवानी मंडल के मेंटेनेंस सदस्य सुनील शर्मा को उपाध्यक्ष पद की जिम्मदारी दी गई। छह कार्यकर्ताओं को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसमें बहल मंडल के पूर्व प्रधान व वर्तमान में सिवानी मंडल मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल सदस्य सुनील शर्मा को शामिल किया गया है।

भिवानी, तोशाम व बवानी में दिग्वजय चौटाला आज

भिवानी। जजपा के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला 10 जुलाई को बवानी खेड़ा,तोशाम व भिवानी पहुंचेंगे। वे दुर्जनपुर, बवानी खेड़ा, बलियाली, तोशाम, खरकड़ी माखवान, बापोड़ा, जितुवाला जोहड़ भिवानी, बामला हालुवास, मिनी बाइपास, चीजारो की ढाणी, अंबेडकर नगर में जनसभाएं करेंगे। जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा व प्रवक्ता शंकर आहूजा ने यह जानकारी दी।

आंगनवाड़ी वर्कर्स ने सौंपा ज्ञापन

■ हड़ताल के दौरान सरकारी कार्यालयों में रहा सन्नाटा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। ज्ञापन सौंपते हुए आंगनबाड़ी कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सर्व कर्मचारी संघ व अन्य ट्रेड यूनियन के 9 जुलाई के बंद का असर बवानी खेड़ा में भी देखने को मिला। कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। आंगनवाड़ी वर्कर्स ने अपना मांग पत्र भी सोपा। प्रशासन की तीखी नजर थी कि कहीं कोई दिक्कत ना हो जाए इसको लेकर प्रशासन ने भी प्रबंध कर रखे थे। तहसील में बुधवार को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल आंगनवाड़ी वर्कर व हेल्पर यूनियन ने कानूनगो को मांग-पत्र सौपा और जल्द मांगे लागू करवाने की मांग की। एक घण्टे के धरने के आह्वान पर आंगनबाड़ी वर्करों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर मांग लागू नही किये जाने पर राज्य कमेटी के आह्वान पर आगामी निर्णय लेने की बात कही। आंगनवाड़ी ब्लॉक प्रधान मुन्नी देवी ने बताया कि आज एक दिवशीय सर्व कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत 1 घण्टे का धरना का आह्वान किया गया था जिसमे बवानीखेड़ा ब्लॉक के समस्त आंगनबाड़ी वर्करों ने सामिल होकर तहसील परिसर में मांग- पत्र सौपा।

रविन्द्र व राष्ट्रदीप बने भाजपा जिला महामंत्री

भिवानी। भाजपा के जिलाध्यक्ष सुनील इंजीनियर ने संगठनात्मक स्तर पर नई नियुक्तियों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी में कश्मीरी देवी, बलवान आर्य, जगदीश पूर्व सरपंच, अनिल बेरला एवं महेन्द्र शर्मा जिला उपाध्याय बनाया। राष्ट्रदीप परमार व रविन्द्र शिलगर को जिला महामंत्री बनाया। कुलदीप शास्त्री, रामफल फोगाट, मुकेश कटारिया, भीष्म वैद्य, सोनल व सोनू जांगड़ा को सचिव व कोषाध्यक्ष व कार्यालय सचिव का दायित्व केदारनाथ सरोहा को दिया गया। प्रवक्ता रविन्द्र कोच, आईटी प्रमुख लीलाराम हिन्दुस्तानी, सोशल मीडिया प्रमुख भूनेश गोयल और मीडिया प्रमुख के रूप में जयंत वशिष्ठ को नियुक्त किया है।

निवेशकों ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति, पीएम सीएम व मुख्य न्यायधीश के नाम ज्ञापन

■ चीट फंड कंपनी में फंसे पैसों के भुगतान को लेकर 31 जुलाई को मथुरा में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह कर पदयात्रा निकालेंगे पीड़ित निवेशक, मथुरा : रमेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों का भुगतान करवाने की मांग को लेकर ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार (तपजप) के बैनर तले पीड़ित निवेशकों ने बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेकर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व मुख्य न्यायधीश के नाम मांगपत्र सौंपा तथा 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह के शहादत दिवस पर मथुरा में एक दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन करने की चेतावनी भी दी।

16 माह बाद भी नहीं मिली जमा पूंजी

इस मौके पर तपजप के प्रदेश अध्यक्ष रामजस व जिला प्रधान रमेश तंवर ने कहा कि चीट फंड कंपनियों के पीड़ित निवेशकों के भुगतान के लिए प्रत्येक जिला स्तर पर बड्स एक्ट-2019 के देशभर मे कार्यालय खोले थे, जिसके तहत इन कार्यालयों में निवेश संबंधी दस्तावेज जमा करवाने के 180 दिनों में दो से तीन गुणा तक भुगतान का प्रावधान किया था, लेकिन बड्स एक्ट-2019 कार्यालय खुलने के करीबन 16 माह से अधिक समय बीतने के बावजूद भी पीड़ित निवेशकों की जमापूंजी नहीं मिली। इसी के विरोध में तपजप संगठन ने राष्ट्र स्तर पर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में एक दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन कर मामले में दोषी अधिकारियों व सरकारों की बर्खास्तगी की मांग को लेकर मथुरा से दिल्ली संसद भवन तक पदयात्रा भी निकाली जाएगी, जिससे परेशान होकर पीड़ित निवेशकों ने 31 जुलाई को राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह आंदोलन व पदयात्रा निकालने का फैसला लिया है। इस अवसर पर जिला उपप्रधान राजेश बडाला, मदनलाल ढ़ींगड़ा, वजीर सिंह, सुखबीर सिंह, सुरेश चांग, हरीश कुमार, पवन, संजय, सुभाष सिंह आदि मौजूद रहे।

जुलूस निकालकर पदक विजेता पूजा बोहरा को किया सम्मानित

■ अब कॉमनवेल्थ व ओलंपिक खेलों पर फोकस करेगी पूजा।

भिवानी। पदक विजेता का स्वागत करते हुए।

भिवानी। कजास्तिान में 30 जून से 6 जुलाई तक आयोजित वर्ल्ड बाक्सिंग कप में रजत पदक विजेता महिला मुक्केबाज पूजा बोहरा का बुधवार को भिवानी पहुंचने पर भारी संख्या में खेल प्रेमियों ने स्वागत किया। जुलूस की शक्ल में पूजा बोहरा के काफिले को यहां रोहतक गेट से विकास नगर स्थित घर तक लाया गया। पूजा ने अपनी जीत का श्रेय अपने कोच भीम अवार्डी संजय श्योराण को दिया।

कैप्टन हवासिंह बाक्सिंग अकादमी के महासचिव प्रीतम दलाल ने बताया कि पूजा बोहरा अब कॉमनवेल्थ गेम्स व ओलंपिक खेलों की तैयारियों में जुट जाएंगी। अकादमी अध्यक्ष डा.एलबी गुप्ता ने रजत पदक विजेता पूजा बोहरा को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जाहिर की कि भविष्य में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में वे अपने इस बेहतर प्रदर्शन को जारी रखेंगी।

विकास योजनाओं पर पूरी सजगता के साथ काम सुनिश्चित करें अधिकारी: एसडीएम

■ पंचायत प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के पदाधिकारियों से मिले।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

एसडीएम डा. विरेंद्र सिंह अहलावत ने आज उपमंडल कार्यालय में क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों, किसान संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी तथा जल्द समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने तहसील, सरल केन्द्र व बीडीपीओ कार्यालय में अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान करने व कार्य दिवस के समय किसी तरह की अनुपस्थित न होने का आदेश दिया। जुई रोड़ स्थित एसडीएम ने दी केन्द्रय सहकारी बैंक चेयरमैन सुधीर चांदवास, पंचायत समिति चेयरमैन आनंद फौजी, सरपंच एसोसिएशन प्रधान शमशेर पंचगावां, सरपंच रमेश कमांडो व पंचायत प्रतिनिधियों व भाकियू अध्यक्ष हरपाल सिंह भांडवा की अगुवाई में किसान संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात की।

सातवें आसमान पर कर्मियों का पारा

एसडीएम ने दोपहर बाद खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय पहुंचे तो वहां पर दो दर्जन से अधिक ग्राम सचिव व अन्य कर्मचारी निठल्ले बैठे मिले तो उनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। एक- एक संबधित गांव का विकास कार्य, कूड़ा कचरा निपटान, दुषित पानी की निकासी के बारे में पूछा तो वह जवाब नहीं दे पाए जिस पर उन्होंने सभी ग्राम सचिवों को कार्यालय में बैठने की बजाए गांव जाकर समस्यांए एकत्रित कर समाधान करने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने कई कमरों में खाली कमरों में पंखे व कुलर चलते मिले जिस पर उन्होंने सभी अधिकारियों से कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने जूई रोड़ स्थित तहसील, सरल केन्द्र व बीडीपीओ कार्यालय पहुंच कर राजस्व अधिकारियों को भूमि संबधी कामकाज में तेजी लाने, लंबित इंतकाल प्रक्रिया को पूरी करने व किसी भी तरह का भ्रष्टाचार न अपना कर पारदर्शी बरतने के निर्देश दिए।

कर्मचारी संगठनों ने अस्पताल के सामने किया विरोध प्रदर्शन

■ राष्ट्रव्यापी हड़ताल के लिए कर्मचारियों ने किया कूच।

बवानीखेड़ा। सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष जाहिर करते कर्मचारी।

बवानीखेड़ा। राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए खंड बवानीखेड़ा के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों में खंड प्रधान चांदराम के नेतृत्व में डाकधर, खाद्य आपूर्ति, बीज विकास निम, हैफेड, स्टेट वेयरहाउस, राकवमावि, नगर पालिका सहित अन्य टीम में बिजेन्द्र तालू फोरमैन, रामनरेश कौशिक, बिजेन्द्र सांगवान, राजबीर सिंह, कमलजीत कपूरिया, संदीप पुनिया आदि नागरिक अस्पताल के सामने एकत्रित हुए और सरकार की नीतियों के खिलाफ रोष जाहिर किया। हडताल के मुख्य मददों में चार श्रम कोड कानून को रदद करवाने, स्मार्ट मीटर योजना वापस लेने, पेंशन बहाली, बढ़ती महंगाई पर रोक, खाली पदों पर नियमित भर्ती, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने एवं कौशल रोजगार निगम भंग करने के साथ साथ एनईपी का विरोध किया।

एनीमिया के प्रति किया जागरूक

■ समाज के संवेदनशील वर्गो को जागरूक करना एनसीसी का उद्देश्य : लेफ्टिनेंट कुट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। झुग्गी झोपड़ियों में लोगों को जागरूक करते एनसीसी कैडेट्स।

झुग्गी झोपड़ियों में जीवनयापन करने वालों को स्वास्थ्य शिक्षा से जोड़ने की पहल कर एमएनएस सरकारी कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी की सिकल सेल एनीमिया (एससीए) के प्रति जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाया। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट थॉमस कुट्टी के मार्गदर्शन और एनसीसी ऑफिसर कैप्टन अशोक कुमार की देखरेख में हुआ। प्राचार्य डॉ. जगबीर सिंह ने पहल का समर्थन करते हुए समुदाय के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

बस स्टैंड क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ियों में जीवनयापन करने को एससीए के बारे में जागरूक किया। कैडेट्स ने लक्षणों की पहचान, रोकथाम और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी सांझा की। विवाह पूर्व जांच और आनुवंशिक सलाह पर विशेष जोर दिया। लेफ्टिनेंट कुट्टी ने बताया कि एनसीसी का उद्देश्य न केवल राष्ट्रसेवा है, बल्कि समाज में विभिन्न विषयों पर जागरूक कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। कैप्टन अशोक कुमार, कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. जगवीर सिंह मान ने भी अपना संदेश दिया।

डिमांड विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री मंत्री से चंडीगढ़ में मिले

खेल मंत्री से मिले विधायक, बवानी स्टेडियम में खेल सुविधाएं देने की मांग

मुलाकात के दौरान खेल मंत्री ने स्डेयिम को जल्द शुरू करने का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। खेलमंत्री से बातचीत करते विधायक कपूर वाल्मीकि व नपा चेयरमैन सुंदर अत्री।

बवानी खेड़ा हल्का विधायक कपूर वाल्मीकि एव नगर पालिका चेयरमैन एवं भाजपा नेता सुंदर अत्री ने चंडीगढ़ में खेल मंत्री गौरव गौतम से मुलाकात की। मुलाकात का मुख्य मकसद बवानी खेड़ा में खेल स्टेडियम था। जिसको लेकर खेल मंत्री गौरव गौतम का भी अच्छा रूझान मिला जिससे प्रतीत होता है कि जल्द शहरवासियों को खेल स्टेडियम के कार्य शुरू होने का तोहफा मिलेगा। लगभग तीस हजार के करीबन जनसंख्या वाले शहर में कोई खेल स्टेडियम नहीं है। गांव-गांव दो नहीं तो एक स्टेडियम मौजूद हैं लेकिन बवानी खेड़ा में इससे बड़ा दुख क्या होगा जहां यहां के खिलाड़ियों को दूसरे स्थानों पर जाकर अपना पसीना बहाना पड़ता है और अपनी किस्मत पर रोना आता है। कितनी सरकारें आई और चली गई लेकिन किसी ने कोई सुध नहीं ली। दो बार पहले भी भाजपा के बिसंबर वाल्मीकि विधायक बनकर मंत्री बने और स्टेडियम की हामी भरी लेकिन वादे कोरे साबित हुए। लेकिन स्थानीय बाशिंदे एवं जमीन से जुड़े कपूर वाल्मीकि द्वारा विधायक बनते ही विधानसभा में इस मांग को उठाया।

युवाओं को मिलेगी सुविधाएं

विधायक कपूर वाल्मीकि एव नगर पालिका चेयरमैन एवं भाजपा नेता सुंदर अत्री ने बताया कि चंडीगढ़ में खेल मंत्री गौरव गौतम से मुलाकात पश्चात उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द इस कार्य को शुरू करवाया जाएगा। उसके बाद खेल प्रतिभाओं को कस्बे में ही अनेक तरह की सुविधाएं मिलनी आरंभ हो जाएगी।